आयोजनागत बजट निर्गमन आदेश संख्या- 17 / वर्ष 2011.12

प्रेषक.

आयुक्त, ग्राम्य विकास,

उत्तराखण्ड पौडी.

सेवामें.

समस्त जिला विकास अधिकारी.

उत्तराखण्ड।

पत्रांक

/5—लेखा—142 / रा०बा०यो० / 2011—12 दिनांक 🔎 सितम्बर, 2011

विषय-

राष्ट्रीय परियोजना बायोगैस विकास संयन्त्रों की स्थापना(100 प्रतिशत केन्द्र पोषित)

योजना हेत धनराशि की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय.

राष्ट्रीय बायोगैस कार्यक्रम के अन्तर्गत भारत सरकार के पत्र सं. 5-48/2009.BE दिनांक 28 मार्च, 2011 द्वारा वित्तीय वर्ष 2008.09 एवं 2009.10 के अवशेष दायित्वों की पूर्ति हेतू रू० 25.70 लाख के सापेक्ष रू० 20. 86 लाख का आंवटन उत्तराखण्ड राज्य को किया गया है। सचिव ग्राम्य विकास उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या-1434 / XI / 2011 / 56(69) 2003 दिनांक 15 सितम्बर,, 2011 के द्वारा ग्राम्य विकास विभाग के अन्तर्गत संचालित राष्ट्रीय परियोजना बायोगैस विकास संयन्त्रों की स्थापना(100 प्रतिशत केन्द्रपोषित) योजना हेत् वित्तीय वर्ष 2011.12 में योजना के संचालन हेतु प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष रू० 20.86 लाख(रू० बीस लाख छियासी हजार भात्र) की धनराशि का आंवटन आयुक्त, ग्राम्य विकास के निवर्तन पर प्राप्त हुआ है।

सचिव, ग्राम्य विकास उत्तराखण्ड शासन देहरादून के शासनादेश सं. 1434/XI/2011/56(69) 2003 दिनांक 15 सितम्बर,, 2011 द्वारा योजनान्तर्गत रू० 20.86 लाख (रू० बीस लाख छियासी हजार मात्र) का आवंटन उत्तराखण्ड के जनपदों को संलग्नक ''क'' के अनुसार निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के तहरा आपके निवर्तन पर रखी जाती है.

2. धनराशि का व्यय योजना के अन्तर्गत भारत सरकार के दिशा निर्देशों एवं निर्धारित मानकों के अनुसार किया

जायेगा। धनराशि का व्यावर्तन किसी भी दशा में नहीं किया जायेगा।

3. योजना के अन्तर्गत धनराशि को व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल,वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति, प्रोक्योरमेन्ट रूल्स २००८ तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य समक्ष प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय.

4. स्वीकृतियों का रजिस्टर रखा जाय और प्रत्रेक माह में स्वीकृति / व्यय संबंधी सूचना स्वीकृतियों की प्रति सहित निर्धारित प्रपत्र बी०एम0—13 पर प्रत्येक माह की 05 तारीख तक निदेशालय को उपलब्ध कराया जाना

सनिश्चित किया जाय।

5. प्रश्नगत धनराशि का उपभोग समयान्तर्गत करते हुए उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं लाभान्वित हुए लाभार्थियों की सूची भारत सरकार/शासन/निदेशालय को उपलब्ध करायी जाय और गुणवत्ता/विशिष्टियों तथा मानकानुसार ही बायोगैस संयन्त्रों की स्थापना सुनिश्चित की जाये।

6. निर्वतन पर रखी जा रही धनराशि का व्यय / उपभोग दिनांक 31.3.2012 तक करते हुए अवशेष धनराशि को

समयान्तर्गत समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाये।

7. उक्त पैरा 2 से 06 तक उल्लिखित शर्तों का अनुपालन विभाग में तैनात नियंत्रक / मुख्य / वरिष्ट / सहायक लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो सुनिश्चित करेंगे,यदि निर्धारित शर्तों का किसी प्रकार विचलन हो तो सम्बन्धित वित्त नियंत्रक इत्यादि का दायित्व होगा कि सूचना सम्पूर्ण विवरण सहित त्रन्त वित्त विभाग एवं इस निदेशालय को दे दी जाय.

इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011.12 के आय—व्ययक के अनुदान संख्या—19 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक—2515—अन्य ग्राम्य विकास कार्यक्रम—102—सामुदायिक विकास— आयोजनागत— 01—केन्द्रीय आयोजनागत / केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें–0101–राष्ट्रीय परियोजना बायोगैस विकास संयन्त्रों की

स्थापना(100% के०स०)–50 सब्सिडी के नामे डाला जायेगा।

9. उक्त धनराशि क व्यय वित्तीय वर्ष 2003.09 एवं 2009.10 में निर्मित संयन्त्रों के अवशेष दायित्वों की पूर्ति के लिये ही किया जायेगा।

10. उक्त स्वीकृत वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या 209(P)/XXVII(1)/2011 दिनांक 31 मार्च, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति के आधार पर सचिव, ग्राम्य विकास उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश सं0 1434/XI/2011/56(69) 2003 दिनांक 15 सितम्बर, 2011 के कम में जारी किये जा रही है। 11. इस आंवटन की प्रविष्टि बजट कन्ट्रोल पंजिका के पृष्ट संख्या— 16 पर कर दी गयी है। संलग्न :— उक्त।

भवदीय,

(हर सिंह बोनाल) वरिष्ठ वित्त अधिकारी, ग्राम्य विकास.

रख्या— २०१७ / 5-लेखा—142 / रा०बा०यो० / 2011—12 दिनांकित प्रतिलिपि— निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवयक कार्यवाडी हेतु प्रेषित.

महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड,ओवराय मोटर्स बिल्डिंग माजरा,देहराटून.

2. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी / कोषाधिकारी, उत्तरा वण्ड.(पंजीकृत)

- 3. अनुसचिव, अपारम्परिक ऊर्जा स्रोत्र मंत्रालय, भारत सरकार, बायोगैस डिविजन, ब्लाक–14, सी०र्ज ०ओ० काम्पलैक्स, लोदी रोड, नई दिल्ली 110003
- आयुक्त,गढवाल एवं कुमाऊ मण्डल.

5. समस्त जिलाधिकारी,, उत्तराखण्ड.

समस्त मुख्य विकास अधिकारी,, उत्तराखण्ड.

- 7. निदेशक,कोषागार एवं वित्त सेवायें उत्तराखण्ड,23 लक्ष्मी रोड,देहरादून.
- 8. महालेखाकार(लेखा परीक्षा), उत्तराखण्ड. वैभव पैलस, इन्दिरा नगर,देहरादून.

🧐 निदेशक,राष्ट्रीय सूचना केन्द्र उत्तराखण्ड देहरादूर.

10. निदेशक,अर्थ एवं संख्या निदेशालय,100 / ६,नेशिया रोड,देहरादून.

11. निजी सचिव,मा0मुख्यमन्त्री ,उत्तराखण्ड को मा0 नुख्यमन्त्री जी के अवलोकनार्थ.

12. निजी सचिव,प्रमुख सचिव,वन एवं ग्राम्य विकास आयुक्त शाखा उत्तराखण्ड शासन देहरादून को प्रमुख सचिव महोदय के अवलोकनार्थ.

13. सचिव,ग्राम्य विकास,उत्तराखण्ड शासन देहरादून:.

14. वित्त(बजट नियंत्रक) अनुभाग-4 उत्तराखण्ड शासन देहरादून.

15. अपर सचिव,नियोजन विभाग,उत्तराखण्ड शासन ेहरादून.

16. अपर सचिव,समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ,उत्ताराखण्ड शासन देहरादून.

ा. अपर सचिव,ग्राम्य विकास उत्तराखण्ड शासन देहरादून.

18. अपर सचिव,बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन सचिवालय,उत्तराखण्ड.

19. अपर आयुक्त / उपायुक्त प्रशासन / सहायक सम्प्रेक्षण अधिकारी / क0प्रो0 ग्राम्य विकास निदेशालय उत्तराखण्ड पौडी.

19. गार्ड फाईल.

संलग्न-उक्तानुसार.

वरिष्ठ वित्त अधिकारी, ग्राम्य विकास.

आयोजनागत

पत्र संख्या-**२**०७७// 5-बज़ट(142)/रा0बा0यो0/2011-12 दिनांक **२०** सितम्बर, 2011

सचिव, ग्राम्य विकास,उत्तराखण्ड शासन,देहरादून के पत्र संख्या—1434 / XI / 2011 56(69)2003 दिनांक 15 सितम्बर, 2011 के कम में राष्ट्रीय बायोगेल कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 2008—09 एवं 2009.10 के अवशेष दायित्वों हेतु धनराशि का आवंटन.

लेखाशीर्षक- अनुदान संख्या 19-2515-102-01-0101-50

(धनराशि लाख रूपये में)

				लाख रूपय म)
क.सं	जनपद	वर्ष २००८–०९ एवं वर्ष		वर्ष में आवंटित धनराशि
		2009.10 के दायित्वों	में आवंटित	का प्रगामी योग
		हेतु आवंटित धनराशि	धनराशि	
				-
1	2	3	4	5
1	अल्मोडा	2.68	. 0	2.68
2	बागेश्वर	0.7	0	.0.7
3	चम्पावत	1.13	0	1.18
4	चमोली	0.78	0	0.78
5	देहरादून	1.54	0	1.54
6	हरिद्वार	1.93	0	1.96
7	नैनीताल	1.84	0	1.84
8	पौडी	2.42	0	2.42
9	पिथौरागढ	1.15	0	1.15
10	रूद्रप्रयाग	0.52	0	0.52
11	टिहरी	1.65	0	1.65
12	ऊधमसिंहनगर	3.84	0	3.84
13	उत्तरकाशी	0.6	0	0.6
योग		20.83	0	20.86

(रूपये बीस लाख छियासी हजार मात्र)

(हर सिंह ब्रोनाल)

वरिष्ठ वित्त अधिकारी,

ग्राम्य विकास।